बूंद-बूंद पानी एवं योजनाओं के लिए तरस रहा आदिवासी बैगा परिवार

आवास से लेकर सड़क, बिजली तक भी नहीं है बैगा बस्ती के लोगों को नसीब, टंकियां 16 उनमे पानी नहीं

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 मई। ननि के वार्ड क्रमांक 22 घोरौलीकला के आदिवासी बैगा बस्ती के लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। कहने के लिए एनसीएल के निगाही परियोजना ने 16 टंकिया बनाया है, परंतु सभी टंकियां सूखी पड़ी हुई है। इस नजारे को देख मंत्री, विधायक व जिलाध्यक्ष भड़क गये और एनसीएल निगाही के सीपीओ को खरीखोटी भी सुनाया।

दरसअल पीड़ित अन्ने बैगा से आज राज्यमंत्री राधा सिंह, विधायक रामनिवास शाह, जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल शाह, ननि अध्यक्ष देवेश पाण्डेय ने एसडीएम व टीआई एवं सीएमएचओ के साथ मिलने पहुंचे थे। जहां शिकायत की गई कि बैगा बस्ती में मूलभूत सुविधाएं नदारत हैं। यहां तक कि एक सैकड़ा आबादी वाले इस बैगा बस्ती में सिर्फ दो लोगों के पास मकान है। बाकी सब फर्स पर सोते हैं।

मंत्री व विधायक ने स्थल का निरीक्षण किया, जहां एक नही अनेको खामियां मिली हैं। आलम यह है कि इस बस्ती में सड़क के साथ-साथ बिजली भी नसीब नही हो रही है। एनसीएल परियोजना निगाही ने सामुदायिक भवन बनाया है, लेकिन वह दिखाने के लिए है। इस तरह के आरोप बैगा परिवारजनों ने लगाया है। यहां तक कि पेयजल के लिए 16 टंकी बनाई गई है, एक भी टंकी में बूंद भर पानी नही है। एक-एक दर्जन शौचालय एवं बाथरूम बने हैं, सभी में ताला जड़ा हुआ है। स्वास्थ्य व्यवस्था बेपटरी पर है। स्वास्थ्य सुविधा का लाभ इन बैगा परिवारों को नही मिल पा रहा है।

जबकि जिला मुख्यालय बैढ़न से उक्त बस्ती की दूरी महज 7 किलोमीटर है। फिर भी बैगा बस्ती में सरकार की एक भी कल्याणकारी योजनाएं नही पहुंच पा रही हैं। कहीं न कहीं भाजपा सरकार की नुमाइंदों की कमियां खुल कर सामने आई हैं। बस्ती में रहने वाले परिवारों को वृद्धा एवं निराश्रित पेंशन भी नही मिल रही है। बच्चे यहां स्कूल तक नही जा रहे हैं। उक्त समस्याओं को जानने बाद ननि के साथ-साथ एनसीएल एवं जिला प्रशासन भी सवालों के घेरे में आ गया है। मंत्री व विधायक ने कहा है कि 8 मई के पूर्व उक्त समस्याओं का निदान हो जाना चाहिए। फिलहाल यहां व्याप्त मूलभूत सुविधाओं से वंचित बैगा परिवारों को लेकर अब विपक्षी दल हमलावर हैं। कांग्रेस नेता अशोक सिंह पैगाम ने कहा है कि प्रदेश सरकार में 21 साल से भाजपा की सरकार है। फिर भी बैगा परिवार योजनाओं से वंचित क्यों?

पीएम जन मन योजना कागजों तक रही सीमित

चार महीने पूर्व जिले में पीएम जन मन योजना के तहत बैगा बस्तियों में शिविर लगाए जाने के निर्देश थे। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बैगा जनजाति के कल्याण के लिए प्रदेश एवं केन्द्र सरकार के द्वारा विशेष योजना चलाई गई, ताकि बैगा परिवारों को पक्के आवास, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके अलावा अन्य लाभ शामिल हैं। लेकिन जिला प्रशासन प्रेस विज्ञप्तियों तक ही सीमित रहा है। वर्तमान में भी जिला प्रशासन का यही हालात हैं। जिले के जिम्मेदार साहब फोन भी रिसिव करने से कतराते हैं, जिसके चलते जिला प्रशासन का पक्ष भी सामने नही आ पाता है। इसके पीछे कारण क्या है, इसे तो कलेक्टर ही बता पाएंगे। लेकिन कहा जा रहा है कि ज्यादातर जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर नही उतर पा रही है। इसका मुख्य कारण प्रदेश सरकार के नुमाइंदों का ध्यान कहीं और है।

गरीबीरेखा से वंचित, आधार कार्ड भी नहीं बना है

दरअसल जब आज मंत्री व विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि बैगा बस्ती में पहुंचे और योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में टटोलने लगे। इस दौरान बैगा परिवार के सदस्यों ने बताया कि अधिकांश लोगों का गरीबी रेखा में नाम नही है, जिसके चलते खाद्यान्न नही मिल पा रहा है। आधार कार्ड भी नही बने हैं और बैंक में खाते भी नही खुले हैं। इस बात को सुन मंत्री व विधायक एवं अन्य नेता तथा स्थानीय प्रशासन अवाक रह गये। इस दौरान यही कहा जाने लगा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना का लाभ यहां तक नही पहुंचा है, कहीं न कहीं प्रशासन ने चूक किया है और अब आनन-फानन में बैगा परिवारों को योजनाओं से जोड़ने के लिए कवायद शुरू किये जाने की बात की जाने लगी है।

इनका कहना :-

बैगा बस्ती के रहवासियों को उज्जवला योजना का भी लाभ नही मिल पा रहा है। वहां की महिलाएं लकड़ी से खाना बनाती है। वहीं यह भी आरोप है कि यहां लाडली बहना योजना का लाभ नही मिल पा रहा है। यहां बिजली, पानी, स्वास्थ्य व शिक्षा समेत अन्य योजनाओं से बैगा परिवार वंचित है।

सूर्य कुमार द्विवेदी (सूर्या)
पूर्व युका जिलाध्यक्ष, सिंगरौली

एक नजर में

सियाज के एम होंगे सिंगरौली एसपी

सिंगरौली। म.प्र. पुलिस मुख्यालय द्वारा देर रात 62 पुलिस अधिकारियों की तबादला सूची जारी कर दी है। इस सूची में सिंगरौली जिले के पुलिस अधीक्षक को लेकर बदलाव किया गया है। राज्य शासन ने सिंगरौली के एसपी मनोज खत्री का तबादला करते हुए उन्हें पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ किया है। उनके स्थान पर हॉकफोर्स बालाघाट में पदस्त रहे वर्ष 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी सियाज के एम को सिंगरौली जिले का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। नए एसपी के सामने जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने, अपराध नियंत्रण और औद्योगिक क्षेत्र में समन्वय बनाए रखने की चुनौती रहेगी।

ऑनलाइन क्विज के प्रतिभागियों को कलेक्टर करेंगे सम्मानित

सिंगरौली। आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अंतर्गत चले संपूर्णता अभियान 2.0 के प्रति जागरूकता एवं जन सहभागिता वृद्धि के लिए कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशन एवं जिपं सीईओ जगदीश कुमार गोमे के मार्गदर्शन में जिले में 17 मार्च को ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में जिले के सभी आयु वर्ग के व्यक्ति के साथ ही विभिन्न विभागों के फ्रंटलाइन वर्करों के साथ कुल 1821 प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। जिसमें प्रथम स्थान काजल पनिका, द्वितीय स्थान राजेश शुक्ला तथा तृतीय स्थान ज्ञानेंद्र अग्रहरि ने प्राप्त किया, जिन्हें सिंगरौली कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा कल 4 मई को पुरस्कृत किया जाएगा।

लम्बी बीमारी के बाद पंचायत सचिव का निधन

चितरंगी। जनपद पंचायत चितरंगी के ग्राम पंचायत देवरी में पदस्थ पंचायत सचिव पंजाब सिंह का गत दिवस लम्बी बीमारी के बाद जबलपुर में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार ग्राम खोखवा निवासी पंजाब सिंह गोड़ उम्र 52 वर्ष पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, जहां पंजाब सिंह का इलाज जबलपुर में चल रहा था कि उनका बीते दिन कल निधन हो गया। उनके इस दुखद निधन पर जनपद पंचायत चितरंगी सीईओ मान सिंह समेत पंचायतो के सचिवो के अलावा अन्य लोगों में पूर्व विधायक अमर सिंह, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रवेन्द्रधर ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है।

ग्राम पंचायत बंजारी में चबूतरा निर्माण में गड़बड़ झाला

ग्रामीणों ने लगाया आरोप, जांच व कार्रवाई की मांग

नवभारत न्यूज

देवसर 3 मई। जिले के जनपद मुख्यालय देवसर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत बंजारी के निर्माण कार्यों में गड़बड़ झाला करने का आरोप है।

ग्राम पंचायत भवन के पास सार्वजनिक चबूतरा निर्माण अभी कुछ दिन पहले ही कराया गया है, निर्माण कार्य पूर्ण होते ही चबूतरा की हालत मौजूदा वक्त में काफी जर्जर हो गई है। जिसे देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि चबूतरा निर्माण में गुणवत्ताहीन कार्य हुआ है। निर्माण एजेंसी पंचायत ने चबूतरा के निर्माण में घटिया स्तर के मटेरियल का प्रयोग किया गया है, वही इंजीनियर की मेहरबानी से चबूतरा 100 प्रतिशत सही बना हुआ है, मूल्यांकन में किसी प्रकार का कोई गड़बड़ी नहीं दिखाया गया है, जिससे स्वीकृत राशि पूर्ण रूप से आहरण भी हो चुका है। ये सब मिली भगत का खेल है, यह भ्रष्टाचार का खेल कब तक चलेगा यह तो शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारी ही बता सकते हैं। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत भवन का ताला सप्ताह में केवल एक दिन खुलता है, बाकी दिन सचिव मुख्यालय से दूर रहते हैं और ग्रामीण अपने कार्य के लिए सचिव का पता लगाते फिरते हैं, ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पंचायत भवन के पास चबूतरा एवं एक अन्य जगह चउरा के पास भी इसी लागत 1 लाख 35 हजार का बना हुआ है और दोनों जगह घटिया क्वालिटी का ईंट लगवाया गया है। इतना ही नहीं सीमेंट भी सस्ते दर पर मिलने वाला प्रति बैग लगाया गया है एवं तराई तो बिल्कुल हुआ ही नहीं है। इस तरह से ग्राम पंचायत बंजारी में मनमानी राज व फर्जी मूल्यांकन का सिलसिला बदस्तूर जारी है। ग्रामवासियों ने जनपद सीईओ से दोनों चबूतरों का जांचकर कार्यवाही की मांग की है।

17 दिनों बाद भी बैंक के डकैतों को नहीं पकड़ पाई सिंगरौली पुलिस

एसपी के कार्यप्रणाली को लेकर लोगों में थी भारी नाराजगी, सांसद व विधायक भी चल रहे थे नाराज

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 मई। जिला मुख्यालय बैढ़न के महाराष्ट्र ऑफ बैंक में पिछले माह 17 अप्रैल को हुई सनसनी खेज करोड़ों की डकैती के मामले में पुलिस के हाथ 17 दिन बाद भी खाली रहे। एसपी मनीष खत्री डीजीपी को भरोसा देते रहे, लेकिन अंततः डीजीपी का भी एसपी पर से भरोसा उठ गया और उनका तबादला कर दिया गया।

गौरतलब है कि 17 अप्रैल को बैढ़न के विंध्यनगर मार्ग स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में दिनदहाड़े पॉच डकैतों ने बन्दूक की नोक पर करीब 15 से 20 करोड़ रूपये कीमत के गोल्ड एवं 20 से 25 लाख रूपये कैश आसानी के साथ बाईक से फरार हो गये। इस सनसनीखेज वारदात के मामले में भोपाल से चलकर बैढ़न घटना की रात करीब 11 बजे डीजीपी कैलाश मकवाना भी पहुंचे थे। जहां 10 अलग-अलग टीमे बनाई गई थी। पुलिस की टीम बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा प्रांत में डकैतो की तलाश करती रही। हालांकि एक डकैत को जीआरपी पुलिस बिहार ने पकड़ा था। लेकिन चार डकैत आज भी पुलिस के पकड़ से बाहर हैं। जबकि सूत्र बताते हैं कि एसपी मनीष खत्री ने डीजीपी एवं आईजी को आश्वस्त किया था कि डकैतों को हर हालत में पकड़ लेंगे। परंतु ऐसा नही हो पाया और अब एसपी का तबादला भी हो गया। नवागत एसपी के पास डकैतो को पकड़ के लिए एक बड़ी चुनौती भी सामने है।

एसपी से आम जनता भी चल रही थी नाराज

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री की कार्यप्रणाली जगजाहिर है। आरोप है कि काम कम बाते ज्यादा करते थे और अपनी स्वयं की पीठ थपथपाने में पीछे नही रहते थे। इसीलिए आम जनता भी उनसे नाराज चल रही थी। तबादला की खबर सुनते ही लोगबाग सोशल मीडिया में लिखने लगे थे और कुछ लोगों ने यहां तक कहा था कि एसपी की विदाई पहले से ही तय थी। डकैती का मामला और भी जुड़ गया। यदि बैढ़न में डकैती न हुई होती तो शायद अप्रैल का महीना पूर्ण न होता। इसके पहले ही तबादला हो जाता।

गड़ाखाड़ काण्ड से लेकर डकैती काण्ड तक हुई किरकिरी

मार्च 2025 में बंधौरा चौकी गड़ाखाड में 14 मार्च को भारी बवाल हुआ था, जहां घटना स्थल पर जाने से एसपी कतरा रहे थे। उसके पीछे कारण क्या है, असली वजह तो वही बताएंगे। इस दौरान कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक की जमकर किरकिरी हुई थी। वहीं अन्य कई ऐसे सड़क हादसे हुये, जहां पुलिस की किरकिरी होती रही। इसी दौरान बैढ़न के महाराष्ट्र बैंक में डकैती ने जिले की कानून व्यवस्था की पोल खोल दिया। इस घटना के बाद लोगबाग एसपी के खिलाफ खुलकर बोलने लगे। शायद इसके पहले इतनी किरकिरी किसी भी एसपी की नही हुई थी।

वनिता समाज एवं बाल भवन के वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

शक्तिनगर 3 मई। एनटीपीसी सिंगरौली-शक्तिनगर में वनिता समाज एवं बाल भवन का वार्षिकोत्सव वनिता की कहानी, हमारी जुबानी थीम पर अत्यंत उत्साह के साथ नगर परिसर स्थित मनोरंजन केंद्र मे मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संदीप नायक परियोजन प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, प्रज्ञा नायक, अध्यक्षा, वनिता समाज एवं सभी गणमान्य अतिथिगण द्वारा दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना एवं एनटीपीसी गीत से किया गया। अपने स्वागत सम्बोधन में प्रज्ञा नायक ने सभी उपस्थित जनों को कार्यक्रम में पधारने के लिए आभार प्रकट किया गया। उन्होंने सभी वनिता समाज की सदस्याओं को इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर प्रतिभागिता करने के लिए बधाई दी। इस कार्यक्रम में वनिता समाज की सदस्याओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया एवं सभी उपस्थित द्वारा प्रतिभागिताओं का हौसला बढ़ाया गया।

मजदूर दिवस पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज

अनपरा 3 मई। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनभद्र के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग एवं श्रम विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हिंडालको रेनुसागर के आवासीय परिसर स्थित सुमंगलम भवन में स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।

तीन चरणों में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 117 यूनिट रक्त संग्रहित

मानव एकता दिवस पर संत निरंकारी मंडल सिंगरौली का तीन चरणों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 मई। मानव एकता दिवस के पावन अवसर पर संत निरंकारी मंडल सिंगरौली द्वारा तीन चरणों में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस जनकल्याणकारी अभियान के अंतर्गत कुल 117 यूनिट रक्त संग्रहित कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

शिविर के प्रथम चरण में 24 अप्रैल को ढोटी, विंध्यनगर में 53 यूनिट, द्वितीय चरण में 26 अप्रैल को बरगवां में 22 यूनिट तथा तृतीय एवं अंतिम चरण में आज 3 मई को मोरवा, सिंगरौली में 42 यूनिट रक्त का सफलतापूर्वक संग्रहण किया गया। तृतीय चरण के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिंगरौली के पूर्व विधायक राम लल्लू बैस, रेडक्रॉस सोसाइटी सिंगरौली के चेयरमैन एसडी सिंह, ब्लड सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आरडी द्विवेदी एवं संत निरंकारी मंडल के जिला संयोजक नरेश शाह की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। शिविर में प्रत्येक रक्तदाता का हीमोग्लोबिन, ब्लड ग्रुप, ब्लड प्रेशर एवं वजन की जांच उपरांत ही रक्तदान कराया गया। रक्तदान के पश्चात सभी रक्तदाताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस प्रबंध समिति के सदस्य मनोज प्रताप सिंह, ललित श्रीवास्तव, सुरेश गिरी एवं भूपेंद्र गर्ग सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

वूशु जजिंग सेमिनार में प्रतिभागियों ने बढ़ाया मान

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 मई। खेल जगत में म.प्र. के लिए गर्व का क्षण तब सामने आया, जब वूशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा वडोदरा में आयोजित नेशनल वूशु जजिंग सेमिनार एवं परीक्षा में प्रदेश के प्रतिभागियों ने शानदार सहभागिता दर्ज कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

यह आयोजन 24 से 30 अप्रैल तक संपन्न हुआ, जिसमें देशभर के अनुभवी निर्णायकों ने हिस्सा लिया। म.प्र. वूशु संघ के सचिव मनोज गुप्ता के अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित निर्णायकों ने इस प्रतिष्ठित सेमिनार में भाग लेकर तकनीकी दक्षता हासिल की। इनमें प्रमुख रूप से जबलपुर से दिव्यांश गुप्ता, अशोक नगर से मुस्ताक खान, छिंदवाड़ा से राजेंद्र कहार, सिंगरौली से आशिक रसूल एवं सिवनी से मनीष सतवाने इन सभी प्रतिभागियों ने वूशु जजिंग की बारीकियों का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशल को और निखारा। इस उपलब्धि पर भारतीय वूशु संघ के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाजवा, सीईओ सोहेल अहमद सहित अन्य ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

करोड़ों का पुल बना, लेकिन सड़क अब भी अधूरी, मामला मटिया गांव के धामण नदी का

ग्रामीणों का आक्रोश, सरकार और जनप्रतिनिधियों पर सवाल, फाइलों में दबी सड़क, सोशल मीडिया पर संघर्ष जारी

नवभारत न्यूज

सरई 3 मई। ऊर्जाधानी कहे जाने वाले सिंगरौली जिले के देवसर जनपद के मटिया गांव में विकास के दावों की हकीकत सामने आ रही हैं। देश को बिजली देने वाले इस क्षेत्र में आज भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

करीब चार वर्ष पूर्व धामण नदी पर करोड़ों की लागत से पुल का निर्माण किया गया, लेकिन इसे मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली लगभग 3 किलोमीटर सड़क आज भी कीचड़ और दलदल में तब्दील है। नतीजतन यह पुल उपयोग के बजाय शो-पीस बनकर रह गया है। मानसून में हालात और बदतर हो जाते हैं। गांव में एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती, जिससे मरीजों खासतौर पर गर्भवती महिलाओं को खटिया पर लादकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। इससे स्वास्थ्य सेवाएं लगभग ठप हो चुकी हैं और स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदेश में मोहन यादव की सरकार होने के बावजूद उनकी समस्याओं की

अनदेखी हो रही है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी यह मुद्दा समाधान तक नहीं पहुंच सका। इससे जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पिछले तीन वर्षों से ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग को लेकर लगातार आवेदन दे रहे हैं। गन्नई पंचायत से अंधियरिया तक सड़क बनाने की फाइलें प्रशासनिक दफ्तरों में अटकी हुई हैं, जबकि युवा सोशल मीडिया के जरिए अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि तत्काल पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए, बारिश में अस्थायी राहत के उपाय किए जाएं और पुल निर्माण के बाद सड़क न बनाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो। यह मामला साफतौर पर दर्शाता है कि योजनाओं की जमीनी हकीकत अब भी कागजों तक सीमित है।

इनका कहना :-

हमने अपनी पूरी उम्र काट दी, पर गाँव की तकदीर नहीं बदली। हम वोट देते हैं, हाथ जोड़ते हैं, पर बदले में हमें सिर्फ दलदल मिला है। 90 साल की उम्र में भी अगर हमें इलाज के लिए खटिया पर लदकर जाना पड़े, तो ये हमारे लिए नहीं, सरकार के लिए शर्म की बात है।

कुलर प्रसाद यादव

इनका कहना :-

बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, क्योंकि घुटनों तक कीचड़ है। सरपंच कहते हैं बजट नहीं है। अगर बजट नहीं था तो करोड़ों का पुल क्यों बनाया, क्या पुल पर खड़े होकर हम अपनी भूख मिटाएं या कीचड़ में अपने बच्चों का भविष्य डुबो दें, हमें तत्काल पक्की सड़क चाहिए, वर्ना आने वाले समय में हम चुनाव का पूर्ण बहिष्कार करेंगे।

दिलीप कुमार यादव